December

Monday **28** Tuesday **29** Wednesday

9 a.m.

किसी की याद में दहलीज़ पर दिये न रखो
किवाड़ सूखी हुई लकड़ियों के होते हैं।

10 a.m.

—

बेचैनियाँ समेट के सारे जहान की
जब कुछ न बन सका तो मेरा दिल बना दिया।

11 a.m.

—

12 p.m.

गिन-गिनके जिसने जाम पिए उसने क्या पिए
पीना उसी का है जो पिए बेखुदी के साथ।

1 p.m.

—

अरमाँ तमाम उम्र के सीने में दफ़न हैं
हम चलते-फिरते लोग मज़ारों से कम नहीं।

2 p.m.

—

3 p.m.

मिट चले मेरी उम्मीदों की तरह हर्फ़ मगर
आज तक तेरे ख़तों से तेरी खुशबू न गई।

4 p.m.

—

उजाले अपनी यादों के हमारे साथ रहने दो
न जाने किस गली में ज़िंदगी की शाम हो जाए।

5 p.m.

—

6 p.m.

मेहरबाँ होके बुला लो मुझे चाहे जिस वक़्त
मैं गया वक़्त नहीं हूँ कि फिर आ भी न सकूँ।

—

Work to be done

Thursday

पास रहकर भी न पहचान सका तू मुझको
दूर से देख के अब हाथ हिलाता क्या है
मैं तेरा कुछ भी नहीं हूँ मगर इतना तो बता
देखकर मुझको तेरे ज़ेहन में आता क्या है।

—

DECEMBER

S	M	T	W	T	F	S
•	•	1	2	3	4	
6	7	8	9	10	11	
13	14	15	16	17	18	
20	21	22	23	24	25	
27	28	29	30	31	•	